इबरानियन

सरगदूतन ते महान बेटवा

1 पहिले केर जुग मा परमेसुर पुरखन ते थोरा–थोरा
करिके अउर तिना ते भविसवकतन ते बात
करिकै। 2इन दिनन केर अनंत मा हम ते बेटवा केर
दुआरा बात किये रहय, जिनका उइ सबै बस्तुन केर
मालिक ठहराये रहे, अउर उनहिन ते उइ ई सारी
रचना रचाइन है। 3ई उनहिन की महिमा केर परकास
अउर उहिन केर किये भये की छाप है, अउर सबै
समानन का आपन सक्ति भरे बचन ते संभाले रहत
हैं, वहै पापन का धोयकै ऊंची जगहन पर महा
महिमन केर दाहिने जाय बइठे। 4अउर सरग दूतन ते
उतने ही बढ़िया ठहिरे जितने ऊ उतने बड़े पढ़ै केर
वारिस हुइके बड़ा नाम पाइन।
5काहे ते सरग दूतन मा कब कउनौ ते कहिन कि
तुहै हमार बेटवा हौ, आज तुहैं पइदा भए हो? अउर
फिर ई कि हम उनहिन केर बप्पा रहब, अउर ऊ
हमार बेटवा रहियै।
6अउर जब पहिलौठे का जगत मा फिर लावत है
तो कहत है कि परमेसुर केर सबै सरगदूतन उनका
झुकि कै परनाम करै।
7अउर सरग दूतन केर बारे मा ई कहत हैं, कि ऊ
अपन दूतन का बयार अउर अपन सेवकन का
धधकत अगिनि बनावत है।
8मुला बेटवा ते कहत हैं, कि हे परमेसुर, तुम्हार
सिंहासन जुग–जुग रहिहैं, तुम्हार राज का राजदंड
निभाय केर राज दंड है।
9आप धरम ते पिरेम अउर अधरम ते बैर राख्यो,
जेहि कारन परमेसुर तुम्हार साथिन ते बढ़िके घी के
दियन ते तुम्हार सुवागत किहिन रहे।
10अउर ई कि हे परभु सुरु मा आपै ई धरती की
नींव डाले रहयो, अउर सरग आपै केर हाथन की
कारीगरी है।
11ऊ तो नासु हुइ जइहैं, मुला आप बने रहियैं,
अउर ऊ सब कपड़न, की तिना पुराने हुइ जइहैं।
12अउर आप उनका चादर की नाई लपेटिहैं, अउर
ऊ कपड़न की तिना बदल जइहैं; मुला आप वहै हैं
अउर आप केर बरसन केर अन्तु न हुइ हैं।
13अउर सरगदूतन मा ऊ कउनों ते कब कहिन, कि
आप हमार दहिने बइठैं जब तलक हम आप केर
बैरिन का आप केर पावन केर नीचे की पीढ़ी न करि
देन।
14का ऊ सब सेवा टहल करै वाली आतमाएं
नाहीं, जउन उद्धारु पाये वालन केर लिये सेवा करै
की खातिर भेजी जात है।

बिसेस ध्यान केर चेतावनी

2 ई कारन चाही कि हम उन बातन पर जउन हम
सुनै हन, अउर भी मन लगाई, अइसा न होय
कि बहकर उनते दूर चले जाई। 2काहे ते जउन बचन
सरग दूतन ते कहा गया हुकुम न मानै का ठीक–ठाक
बदला मिला रहय। 3तौ हम लोग अइसन बड़े उद्धार
ते बेफिकर रहिके काहे का बच सकित है? जी की
चरचा पहिले पहल परभु ते हुइ रहय अउर सुनै
वालन ते हमका भरोसा भवा रहय। 4अउर साथ ही
परमेसुर भी आपन इच्छा केर बरे निसानन अउर
अजीब कामन अउर तिना–तिना केर पहुंच केर बाहिर
केर कामन अउर पवित्तर आतमा केर चीन्हु का हवयं
ते यहि की गवाही देत रहय।

यीसु अपन तरह ते भाई बनाई

5ऊ उइ आवै वाली दुनिया का जीकी चरचा हम
कर रहे हन, सरगदूतन केर अधीन नाहीं किहिन।
6मुला कउनउ कहीं ई गवाही दिहिस है कि मनई का
आय कि तू ई की सुध लेत है? या ई कि ई मनई
केर बेटवा का आय, कि तू ऊपर नजर करत है?
7तू तौ ऊ सरगदूतन ते कुछ ही कम किहे हौ, तू
उनकै सीस पर बड़ाई अउर इज्जत केर ताज रक्खें
रहौ अउर ऊ का आपन हाथन केर कामन पर

अधिकार दिये रहयो।
8तुहै सब कुछ उनकै पाँवन केर तरे करि दीन्हों,
यहिते जबकि ऊ सब कुछ उनके अधीन कर दिहिन,
तौ ऊ कुछौ नाहीं रख छोड़िन, जउन उनके अधीन न
होय, मुला हम अब तलक सब कुछ उनके अधीन
नाहीं देखत हन। 9मुला हम यीसु का जउन सरग
दूतन ते कुछे कम किए गए रहे, मउत का दुख उठाय
की खातिर महिमा अउर आदर केर मुकुट पहिने भए
देखत हन, काहे ते परमेसुर केर किरपा ते हर एक
मनई की खातिर मउत केर सुवाद चक्खै।
10काहे ते जीके लिए सब कुछ है, उनका इहै
अच्छा लगा कि जब ऊ बहुत ते बेटवा का महिमा
मा पहुंचइहैं, तौ उन केर उद्धारु करै वाले का दुख
उठाय केर जरिये सिद्ध करै। 11काहे ते पवित्तर करै
वाला अउर जउन पवित्तर कीन जात है, सब केर
जड़ एकै है, यहि कारन ऊ उनका भाई कहे ते नाहीं
लजात है। 12मुला कहत हैं कि हम तो हर नाम
आपन भइयन का सुनइबै। सभा केर बीच मा हम तो
हर भजन गइबै।
13अउर फिर ई, कि हम उन पै भरोसा रखिबे,
अउर फिर ई कि देख, हम उन लरिकन सहित
जिनका परमेसुर हमका दिये रहय।
14यहि ते जब ई कि ई लरिके अरथात परभु केर
अपन देह अउर लोहू केर मा भागी है तो ऊ आप भी
उनकेर समान उनकै सहभागी हुइ गए, काहे ते मिरत्यु
केर जरिये उनका, जिनका मउत पै सक्ति मिली रहय
अरथात् सैतान का निकम्मा करि देय। 15अउर जितने
मउत केर भय केर मारे जीवन भर गुलामी मा फंसे
रहे, उनका छुड़ाय लेय। 16यहि कारन उनका ई करै
का रहय, कि सबै बातन मा अपने भइयन केर समान
बनें। 17जीसे ऊ उन बातन मा जउन परमेसुर ते
सम्बन्ध राखत हैं, एक दयालु अउर विसवास करै
लायक पुरोहित बने रहैं काहे ते लोगन केर पापन की
खातिर तोबा करैं। 18काहे ते जब ऊ परिच्छा की
दसा मा दुख उठाइन तौ ऊ उनहुन केर मदति करि
सकत हैं, जिन केर परिच्छा होत है।

यीसु मूसा ते महान होई

3हे पवित्तर भाइयों, तुम जउन सरगीय बुलाहट मा
भागी हों, ऊ परेरित अउर पुरोहित यीसु पै
जिनका हम स्वीकारित हन उनका धियान करो। 2जउन
अपन काम सौंपे वाले की खातिर विसवास करै
लायक रहयं, जइसन मूसा ऊ उनकै घर मा रहय।
3काहे ते ऊ तौ मूसा ते भी इतने बढ़िके महिमा केर
जोग समझे जात हैं, जितना कि घर का बनावै वाला
घर ते बढ़िके आदर राखत है। 4काहे ते हर एक घर
का कउनौ न कउनौ बनावै वाला होत हैं, मुला जउन
सबै कछु बनाइस है ऊ तो परमेसुर आय। 5मूसा
तउन उनके सारे घर मा सेवक की तिना विसवास केर
लायक रहिन, कि जउन बातन केर चरचा होय वाला
रहय ऊकी गवाही देय। 6मुला मसीह बेटवा की तिना
उनके घर केर मालिक हैं, अउर उनकेर घर हमहीं
हन, अउर हम हिम्मत बांधि केर अउर अपन आसा
परिहां सिर ऊंचा करिके आखिर तलक मजबूती ते
जमें रहन।

चेतावनी अविस्वासु सेई

7सो जइसन पवित्तर आतमा कहत है, कि अगर
आज तुम उनके बानी सुनौ।
8तौ आपन मन सख्त न करौ, जइसा कि गुस्सा
दिलाए केर बेर, अउर परिच्छा केर दिन जंगल मा
किया गवा रहय,
9जहां तुम्हार बाप दादा हमका जांचिन अउर चालीस
बरस तलक हमार काम देखिन रहै।
10यहि कारन ते हम ऊ जुग केर लोगन ते
रुठे रहन, अउर कहै रहन, कि इनकै मन सदा
भटकत रहत हैं, अउर इनहिन हमार रस्तन का नाहीं
पहिचानिन।
11तबै ते हम गुस्से मा आइकै किरिया खावा रहय
कि ऊ हमार विसराम मा दाखिल न हुइ पइहैं।
12हे भाइयों, चउकस रहौ, काहे ते तुम्हरे तीर
अइसन बुरा अउर अविसवासी न मन होय, जउन
जीवते परमेसुर ते परे हटि जाय। 13मुला जउन दिन
तलक आज केर दिन कहा जात है, हर दिन एक
दूसर को समुझत रहौ, अइसन न होय, कि तुमहिन
माते कउनौ जन पाप केर छल मा आइकेर कठोर हुइ
जाय। 14काहे ते हम मसीह केर भागी भए हन, अगर
हम आपन पहिलेन भरोसा परिहां मजबूती ते जमे
रहन। 15जइसन कहा जात है, कि अगर तुम उनकै
बानी सुनौ तो आपन मनन का कठोर न कीन्हौ,
जइसन कि गुस्सा दिलाए केर बेरिया किया गवा
रहय।
16भला कउनेव लोग सुनिकै गुस्सा दिखाइन? का
ऊ सबै नाहीं जउन मूसा के दुआरा मिसर ते निकले
रहे। 17अउर ऊ चालीस बरसन तक कउने लोगन ते
रिसियान रहा? का उनहिन ते नाहीं जउन पाप किहिन
रहयं, अउर उनकी लोथे जंगल मा पड़ी रही रहयं।
18अउर ऊ कउने ते सपथ खाइस रहय, कि तुम

हमार विसराम मा परवाह करै नाहीं पइहौ। केवल
उनतै जउन आग्या नाहिन मानिन? 19सो हम देखत
हन कि उइ अविसवास कै कारन दाखिल नाहीं हुइ
सके।

सबत केर दिन पवित्तर ठहराई गये जउन परमेसुर केर लोग रहै।

4 यहि ते जब कि ऊके विसराम मा दाखिल होय
की परतिग्या अब तलक है, तउन हमका डरै का
चाही, अइसन न होय, कि तुम मा कउनौ जन ऊकै
बिना जानि परै। 2काहे ते हमका उनहिन की तिना
सुसमाचार सुनावा गवा है, मुला सुने भए बचन ते
उनका कछु लाभ नाहीं भवा, काहे ते सुनै वालन कै
मन मा बिस्वास के साथ नाहीं बइठा। 3अउर हम
जउन विसवास किए हन, उहैं विसराम मा परवेस
करत हैं, जस ऊ कहे रहे कि हम गुस्से मा कसम
खावा रहय, कि ऊ हमार विसराम मा परवेस नाहीं
कर पइहैं, जदपि जगत का रचै केर समय ते ही ऊके
काम हुइ चुके रहयं। 4काहे ते सातवें दिन कै बारे मा
ऊ कहूं ई तिना कहिन हैं, कि परमेसुर सातवें दिन
आपन सब कामन का निपटाइकैं बिसराम, किहिन
रहयं। 5अउर ई जगह फिर ई कहत हैं, कि ऊ हमार
बिसराम मा परवेस नाहीं कर पइहैं।

6तौ जब इ बात बाकी आय, कि कितने अउर
आय जउन ऊ बिसराम मा परवेस करै, अउर जिनका
उनकेर सुसमाचारु पहिलेन सुनावा गवा रहय, ऊ
आग्या न मानै के कारन उईमा परवेस नाहीं किहिन
रहयं। 7तउन ऊ कउनों विसेस दिन का ठहिरायकै
इतने दिनन के बाद दाऊद केर किताब मा ऊ का
आज का दिन कहत है, जइसे पहिलेन कहा गवा
रहय, कि यदि आज तु ऊ केर वानी सुनौ, तौ आपन
मनन का कठोर न कीन्हों।

8अउर यदि यहोसू उनका विसराम मा दाखिल
करि लेत तौ ऊके बाद दूसर दिन की चरचा न हुइती।
9सो जनि लियो कि परमेसुर केर लोगन के लिए
सबत (छ दिन मा सिरिस्टी दुआरा रचना करै के बाद
सातवें दिन परमेसुर दुआरा पवित्तर ठहरावा गवा
दिन) केर बिसराम बाकी है। 10काहे ते जउन ऊके
विसराम मा परवेस किहिन है, ऊ भी परमेसुर की
तिना आपन कामन का पूरा करिकै विसराम किहिन
है। 11सो हमका ऊ विसराम मा परवेस करै की
कोसिस करै का चाह, अइसन न होय कि कउनौ जन
ऊ की तिना आग्या न मानिकै गिरि परै।

12काहे ते परमेसुर केर बचन जीवित, अउर मजबूत,
अउर हर एक दुइधारी तलवारु ते भी बहुत चोखा
आय, अउर जीव, अउर आतमा का, अउर गांठ–गांठ,
अउर हाड़–मांस का अलग करिकै आर–पार छेदत
है, अउर मन की बातन अउर विचारन का जांचत है।
13अउर सिरिस्टी की कउनौ चीज ऊ ते छिपी नाहीं
है, मुला जउनौ ते हमका काम है, ऊ की आंखिन ते
सामने सबै चीजें खुली अउर बेपरदा आय।

यीसु महान परचारक होई

14सो जब हमार अइसन महा पुरोहित है, जउन
सरग ते हुइके गवा है, मतलब परमेसुर केर बेटवा
यीसु, तौ आओ हम आपन ई अंगीकार बात का
मजबूती ते थामे रहीं। 15काहे ते हमार अइसन पुरोहित
नाहीं, जउन हमार कमजोरिन मा हमरे साथ दुखी न
हुइ सकै, मुला ऊ सब बातन मा हमरी तिना परखा
तौ गवा, तबहूं ऊ बेगुनाह निकला। 16यहि ते आओ,
हम अनुगरह केर सिंहासन के पास हियाव बांधि कै
चली, काहे ते हमार ऊपर दया कीन्ह जाय, अउर ऊ
अनुगरह पाएं, जउन जरुरत पड़ै पर हमर मदद करै।

5 काहे ते हर एकु महापुरोहित मनइन मा ते लिया
जात है। अउर मनइन के खातिर उन बातन केर
बारे मा जउन परमेसुर ते सम्बन्ध राखत है, ठहिरावा
जात है, कि भेंट अउर पाप बलि चढ़ावा करै। 2अउर
ऊ नासमझ, अउर भूले भटकन कै साथ नरमी ते
बेवहार करि सकत है, वहिते कि ऊ आपौ कमजोरी
ते घिरा है। 3अउर यहिते ऊ का चाहीं कि जइसे
लोगन के लिए वइसै ही आपन लिए भी पाप बलि
चढ़ावा करै।

4अउर ई सम्मान केर पद कउनौ आपै ते नाहीं
लेत, जब तलक कि हारुन की तिना परमेसुर की
ओर ते ठहिरावा न जाय। 5वइसनै मसीहौ महापुरोहित
बनै की परसंसा आपै ते नाहीं लिहिन, मुला उनका
वहै दिहिन, जउन उनते कहेन रहयं कि तुइ हमार
बेटवा है, आज हमहीं तुहि का जनमावा है।

6ऊ दूसरि ढेर मा भी कहत हैं, तुइ मिलिकिसिदक
की रीति पइहां हमेसा केर खातिर पुरोहित है।

7ऊ अपन देह मा रहै कि दिनन मा ऊंची आवाज
ते पुकारि–पुकारि कै, अउर आंसू बहाय, बहाय कै
ऊ ते जउन उनका मउत ते बचाय सकत रहै,
पराथनाएं अउर बिनती किहिन अउर भक्ति कै कारन
उनकेर सुनी गई रहय। 8अउर बेटवा होय पर भी, ऊ
दुख उठाय–उठाय कै आग्या मानै का सीखिन।
9अउर सिद्धि बनिकै, आपन सब आग्या मानै वालन

के लिए सदा कालि कै उद्धारु केर कारन हुइ गए। 10अउर उनका परमेसुर की ओर ते मिलकिसिदक कै रीति पै महापुरोहित केर पद मिला।

भटकय केर चेतावनी

11ई के बारे मा हमका बहुत सी बाते कहय के हैं, जिनकेर समझावै का काम बड़ा कठिन आय, यहि ते कि तुम ऊंचा सुनै लागिहो। 12समय के विचार ते तौ तुमका गुरु होइ जाय का रही, तउनौ ई का जरूरी है, कि कउनौ तुमका परमेसुर कै वचनन केर पहिले की सिच्छा फिरि ते सिखाए? अउर अइसे हुइ गए हो, कि तुमका अन्न के बदले अबहूं दूध की चाहीं। 13काहे ते पियै वाले बचन का तौ धरम केर बचनन की पहिचान नाहीं होत, काहे ते ऊ बालक है। 14मुला अन्न सयानों की खातिर है, जिन केर समुझ भी नारिन अभ्यास करत—करत, भले—बुरे मा भेद करै के लिए पक्की हुइ गई है।

6 यहिते आओ मसीह केर सिच्छा की सुरु केर बातन का छोड़ि कै हम सिद्धता की ओर बढ़त जाइ, अउर भरे गए कामन ते मन फिराए खातिर अउर परमेसुर पै विसवासु करै खातिर। 2अउर बपतिस्मन अउर हाथ रखै खातिर, अउर मरे हुएन कै जी उठै के खातिर, अउर आखिरी निभाय केर सिच्छा रूपी नींव फिर ते न डाली जाय। 3अउर अगर परमेसुर चाहित है, तो हम इहै करब।

4काहे ते जउन एक बारि जोति पाइन है, अउर जउन सरगीय बरदान केर सुवाद चखि चुके हैं, अउर पवित्तर आतमा केर साझीदार हुइ गए हैं। 5अउर परमेसुर केर उत्तम बचन केर अउर आवै वाले जुग की आतमिक बातन का सुवाद चखि चुके हैं। 6अगर उइ भटक जाएं तो उनका मन फिरावै के लिए फिर नवा बनावै वाली बात अनहोनी है काहे ते परमेसुर केर बेटवा का आपन खातिर फिर क्रूस पर चढ़ावत है अउर परगट मा उनका कलंक दोस लगावत हैं।

7काहे ते जउन भूमि बरसा केर पानी का जउन ऊपर बार—बार पड़ति है, पी—पी कै जिन लोगन कै लिए ऊ जोत—बोइ जात है उनकेर काम आए वाला साग—पात उपजात है ई परमेसुर ते असीस पावत है। 8मुला अगर ऊ झाड़—झंखाड़ का उगावत है, तौ निकम्मी अउर सापित होय वाली है, अउर उनकेर अन्त लजाय जाय का है।

9मुला हे पियारों जदपि हम ई बातै कहत हन, तुम हमार बारे मा हम ई ते अच्छा अउर उद्धार वाली बातन केर भरोसा करत हैं। 10काहे ते परमेसुर अनियायी नाहीं, कि तुम्हार काम अउर ऊ पिरेम का भूलि जाई, जउन तुम ऊ कै नाम केर लिए ई रीति ते दिखाए रहे, कि पवित्तर लोगन केर मन की सेवा कियो रहय अउर करत रहे हौ। 11मुला हम बहुत चाहत हन कि तुमहिन मा ते हर एक जन अन्ते तक पूरी आसा की खातिर अइसन ही जतन करत रहै। 12काहे ते तुम आलसी न हुइ जावो, मुला उनहिन की तिना करौ, जउन बिसवास अउर धीरज कै दुआरा परतिग्या वन के वारिस होवत है।

आसायुक्त परतिग्याएं

13अउर परमेसुर अबराम का परतिग्या देय क बेर जब कि कसम खावै के लिए कउनौ क आपन ते बड़ा नाहीं पाइन, तौ अपन ही किरिया खाइके कहिन। 14कि हम सांचै तुमका बहुतै असीस देव, अउर तुम्हार सन्तानु का बढ़ावत जइवे। 15अउर यहि रीति ते ऊ धीरज धरिके परतिग्या की भई बात पाइन।

16मनई तो आपन कै कउनौ बड़े की कसम खावा करत है अउर उनकेर हर एक झगड़े का निपटारा कसमें ते पक्का होत है। 17यहि ते जब परमेसुर परतिग्या केर वारिसन पर अउर भी साफ रीति ते जाहिर करै का चाहिन, कि उनके मनसा बदल नाहीं सकत तौ कसम का बीच म लाइन। 18ताहि ते दुइ बेबदल बातन केर दुआरा जिनके बारे मा परमेसुर केर झूठा ठहिरना होना है, हमार मजबूती ते ढाढ़स बंधि जाए, जउन सरन लै का ई खातिर दउड़े हैं कि उइ आसा का जउन सामने रक्खी भई है पाय लें। 19ऊ आसा हमार परान केर खातिर अइसन लंगर है जउन एकै जिगह अउर मजबूत है, अउर परदे केर भीतर पहुंचत है। 20जहां यीसु मलिकिसिदक की रीति पइहां सनानतनकाल केर महापुरोहित बनिकै, हमार खातिर अगुआ केर रीति पर दाखिल हुइन है।

मलिकिसिदक कय पुरोहित

7 ई मलिकिसिदक सालेम केर राजा, अउर परम परधान परमेसुर केर पुरोहित, सदा पुरोहित बना रहत है, जब अबराम राजन का मारिकै पलटा जात रहय, तो इहै ऊ ते भेंट करकै ऊ का असीस दिहिन। 2इहै का अबराम सब चीजन केर दसवां अंस भी दिये रहयं ई पहिले आपन नाम कै मतलब केर मुताबिक धरम केर राजा, अउर सलेम अरथात् सान्ती केर राजा है। 3जउन केर न बाप न माता, ना हीं बंसावली है, जी के न दिनन केर सुरु आय अउर न

जीवन केर अनन्त आय, मुला परमेसुर कै बेटवा केर
माफिक ठहिरा।

4अब ई पर धियान करौ कि ई कइसन महान
रहय, जी का पुरखा अबराम अच्छे ते अच्छे माल
केर लूट के दसवां अंस दिहिन। 5लेवी केर सन्तान
मा ते जउन पुरोहित केर पद़ पावत है, उनका आग्या
मिली है कि लोगन अरथात् आपन भइयन ते चाहे
उइ अबराम की ही देहिते काहे न जनम लिहिन होय,
नियम केर मुताबिक दसवां अंस लेय। 6मुला ऊ
जउन उन केर बंसावली माका भी नाहीं रहय अबराम
ते दसवाँ अंस लिहिस अउर जी का परतिग्याएं मिली
रहयं ऊ का असीस दिहिस। 7अउर ई मा संदेह नाहीं
कि छोट बड़े ते असीस पावत है। 8अउर इहां तौ
मरनहार मनई दसवां अंस लेत है, मुला उहां वहि
लेत है जी की गवाही दीन्ह जात है, कि ऊ जीवित
है। 9तौ हम इहौ कहि सकत हन, कि लेवी ऊ जउन
दसवाँ अंस लेत है, अबराम केर दुआरा दसवाँ अंस
दिहिस। 10काहे ते जउन समय मलिकिसिदक ऊके
बाप ते भेंट किहिस, ऊ बखत ई आपन बाप केर
द्यांह मा रहय।

यीसु मलिकिसिदक केर भांति

11उतनै जउन लेवीय पुरोहित पद केर दुआरा सिद्ध
हुइ सकत है जी के सहारे ते लोगन कै नियम मिला
रहय। तो फिर का जरुरत रही, कि दूसर पुरोहित
मलिकिसिदक केर नीति पइहां बड़ा होय, अउर हारुन
केर रीति केर न कहिलाए। 12काहे ते जब पुरोहित
केर पद बदला जात है, तौ नियम का भी बदलै का
जरूरी है। 13काहे ते जी के बारे मा ई बातें कही
जात है कि ऊ दूसर गोतर केर आय, जीमा तेय,
कउनौ वेदी के सेवा नाहीं किहिस। 14तौ परगट है,
कि हमार परभु यहूदा केर गोतर मा ते निकसा है
अउर ई गोतर केर बारे मा मूसा याजक पद केर
कुछउ चरचा नाहीं किहिन। 15अउर जब मलिकिसिदक
केर समान एक अउर अइसन याजक पैदा होय वाला
रहय। 16जउन ई देहि केर आग्या केर नियम कै
मुताबिक नाहीं, मुला अनिवासी जीवन केर सकती
के मुताबिक रक्खा गवा होय तो हमार दावा अउरौ
सफाई ते परगट हुइ गवा। 17काहे ते ऊकेर बारे मा
इ गवाही दीन्ह गई है कि तुहै मलिकिसिदक केर रीत
पै जुग–जुग तलक पुरोहित हैं।

18आखिर पहिलेन आग्या कमजोर अउर बेकार,
होय कै कारन गुम हुइ गई। 19ई बदे कि नियम
कउनो बात करै सिद्ध नाहीं किहिस अउर ऊ केर
जेहि एक अइसन उत्तम आसन रक्खी गई रहय जी
केर दुआरा हम परमेसुर के निकट जाय सकित हन।

20अउर ई खातिर मसीह केर नियुक्ति बिना कसम
नाहीं हुई। 21काहे ते ऊ बिना कसम याजक ठहिराये
गये, मुला ई कसम केर साथ ऊ की औरत रक्खा
गवा, जउन ऊ केर बारे मा कहिस, कि परभु कसम
खाइस, अउर उइ ऊते फिर नाहीं पछितइहै। काहे ते
तुइ जुग–जुग तक पुरोहित आय।

22यहिते यीसु एक बड़े नियम केर जमानतदार
ठहिरे।

23उइ तौ बहुत सारे पुरोहित बनतै आए, ई कै
कारन ई रहय कि मउत उनका रहय नाहीं देत रहय।
24मुला ई जुग–जुग तक रहत हैं यहि कारन ऊ का
याजक केर बन्द अटल आय। 25यहै ते जउन उनकै
दुआरा परमेसुर केर नेरे आत है, ऊ उनके समुचित
उद्धारु कइ सकत हैं, काहे ते ऊ उनके खातिर बिनती
करै केर खातिर पहिले तिना जीवित है।

26तउ अइसनै महायाजक हमरे जोग रहय, जउन
पवित्तर, अउर बिन कपट अउर साफ मन अउर
पापिन ते अलग, अउर सरग ते ऊंचा किया भवा
होय। 27अउर उन महायाजक की तिना उनका जरुरी
नाहीं कि हर दिन पहिले आपन पापन अउर फिर
लोगन कै पापन की खातिर बलि चढ़ाय, काहे ते ऊ
आपन पापन कै बलि चढ़ाइकै ऊ का एकहि बार मा
निपटाय दिये हैं। 28काहे ते नियम तौ कमजोर मनइन
का नियुक्त करत हैं मुला ऊ कसम केर बचन जउन
विधान केर बाद मा खाई गई रहय, ऊ बेटवा (यीसु)
का नियुक्त करत है, जउन जुग–जुग केर खातिर
सिद्ध कीन गवा है।

महायाजक केर नई बेवस्था

8अब जउन बातें हम कहत हैं, उन मा सब ते
बड़ी ई है, कि हमार अइसन महापुरोहित है,
जउन सरग पै महा महिमन केर राजगद्दी कै दहिने
जाय बइठा। 2अउर पवित्तर जिगह अउर ऊ सांचे
तम्बू केर सेवक भवा, जी का कउनौ मनई नाहीं,
मुला परभु खड़ा किहिन रहयं।

3काहे ते हर एक महायाजक भेंट अउर बलि
चढ़ाए कै लिए ठहरावां जात हैं यहि कारन जरूरी
आय, कि ईके पासइ कछु चढ़ावै की खातिर होय।
4अउर यहि ऊ धरती पर होत तौ कबहूं याजक नाहीं
होत, यहि खातिर कि नियम केर मुताबिक भेंट चढ़ावै
वाले तौ हैं। 5जउन सरग मा क बस्तुन केर नकल
अउर परछाहीं केर सेवा करत हैं जइसन जब मूसा

तम्बू बनावै पर रहै, तउ उनका ई तिउनी मिली, कि
देख, जउन नमूना तुहिका पहारु पै दिखावा गवा
रहय, ऊ के मुताबिक सब कुछ बनायो। 6मुला उनका
उन केर सेवकाई ते बढ़िके किली काहे ते अउरो बड़े
आग्या केर बिचउलिया ठहिरे, जउन अउरो, बड़े
अहइदन कै सहारे बांधि दीन गई है।
7काहे ते यदि ऊ पहिल नियम बेकसूर होवत, तौ
दूसरे केर लिए मौका नाहीं ढूंढ़ा जात। 8मुला ऊ उन
पै दोस लगाइ कै कहत हैं, कि परभु कहत हैं, देखौ,
उइ दिन आवत हैं, कि हम इसराएल केर घराने के
साथ, अउर यहूदा केर परिवार कै साथ, नवा वाचा
बंधिवै।
9ई ऊ वाचा केर समान नाहीं होई जउन हम
उनकेर बाप दादन कै साथ बांधे रहन, जब हम उन
केर हाथ पकरि कै उनका मिसर देस ते निकारि
लायन, काहे ते ऊ हमार बाचा पै जमे नाहीं रहय
अउर हम उनके सुध नाहीं लिहेन, परभु इहै कहत है।
10फिर परभु कहत हैं कि जउन बाचा हम उन
दिनन के बाद इसराएल केर घराने कै साथ बांधब, ऊ
इहै कि हम आपन नियमन का उन केर मनन मा
डालिये, अउर ऊ का ऊकै हिरदय पै लिखबै, अउर
हम उनकेर परमेसुर ठहिरब, अउर उइ हमार परजा
ठहिरियहंय।
11अउर हर एक आपन देसवाले का अउर आपन
भाई का ई सिच्छा नाई देइ, कि ऊ परभु का पहिचाने,
काहे ते छोटे ते बड़ेन लोग सब हमका जानि लेहें।
12काहे ते हम उन केर अधरम कै बारे मा दयालु
रहिबै, अउर उनकै पापन का फिर सुमिरन नाहीं
करबै।
13नवा बाचा के कायम होय ते ऊ परथम नियम
का पुराना ठहिराइन, अउर जउन चीज पुरानी अउर
बेमतलब हुइ जात है ऊ का मिट जाय का जरूरी
हय।

आराधना पवित्तर स्थल मा

9 आखिर उइ पहिले बाचा मा भी सेवा केर नियम
रहय, अउर अइसन पवित्तर धाम जउन ई जगत
केर रहय। 2अरथात् एक तंबू बनावा गवा पहिले
तम्बू मा दीया, अउर मेज, अउर भेंट केर रोटियां
रहयं, अउर ऊ पवित्तर जगह कहलावत है। 3अउर
दूसर परदे केर पीछे, ऊ तम्बू रहय, जउन महा
पवित्तर जगह कहिलात है। 4ऊ मा सोने केर धूपदानी,
अउर चारिउ ओर सोने ते मढ़ा भवा बाचा केर संदूक
अउर ऊ मा मन्ना ते भरा भवा सोने केर बरतन अउर
हारुन केर छड़ी जी मा फूलि–फल निकर आवा रहे,
अउर हिद केर पटिया (जिन पै परमेसुर केर दस
आग्याएं लिखे रहयं) 5अउर ऊ के ऊपर दूनो तेजमय
करब अरथात् बालदूतन केर तेजमय मूरत रहयं
जउन परायस्चित किये वालेन ढक्कन पै छाया किए
रहयं, इनहिन केर एक–एक करिके बखान करै का
अबहूं मौका नाहीं है।
6जब ई चीजें ई रीति ते तैयार हुइ चुकीं, तब
पहिले तम्बू मा तौ याजक हर बखत दाखिल हुइ कै
सेवा केर काम निभात है। 7मुला दूसर मा केवल
महायाजक साल मा एकहि बार जात है, अउर बिन
रक्कत लिए नाहीं जात है जी ते आपन लिए अउर
परजा की भूल–चूक कै खातिर चढ़ावा चढ़त है।
8ई ते पवित्तर आतमा यहि दिखावत है, कि जब
तलक पहिला तम्बू ठाड़ है, तब तलक पवित्तर
जिगह कै मारग परगट नाहीं भवा। 9अउर ऊ तम्बू तौ
आज केर समय की खातिर एक मसल आय जीमा
अइसन भेंट अउर बलिदान चढ़ाय जात है, जिनते
आराधना करै वालन को मन सिद्ध नाहीं हुइ सकत।
10काहे ते उइ केवल खाय–पिये केर चीजन अउर
तना–तना कै नहाय केर विधियन के आधार पै देहि
केर नियम है, जउन सुधरै केर समय तलक खातिर
नियुक्त किहिन गये हैं।

यीसु केर लहू

11मुला जब मसीह आवै वाली नीमन–नीमन चीजन
केर महायाजक हुइकै आये रहै तौ उइ अउरो बड़े
अउर सिद्ध तम्बू ते हुइकै जउन हाथ केर बनावा भवा
नाहीं, अरथात् ई सिरिस्टी केर नाहीं। 12अउर बकरन
अउर बछड़न केर लोहू बलि कै दुआरा नाहीं, मुला
अपनेहुं लोहू केर जरिए एकहि बार पवित्तर जगह मा
दाखिल भये, अउर हमेसा हमेसा केर छुटकारा पाइन।
13काहे ते जब बकरन अउर बैलन केर लोहू और
कलोर केर राख अपवित्तर लोगन पै छिरकै जाय ते
देहि केर सुद्धता कै लिए पवित्तर करत हैं। 14तो
मसीह केर लोहू जउने–आपै आप का सनातन आतमा
दुआरा परमेसुर केर सामने निरदोस चढ़ाइन, तुहार
मन का मरे भए कामन ते काहे नाहीं सुद्ध करिहैं,
तोहिते जीवित परमेसुर केर सेवा करौ।
15अउर इहै कारन ऊ नवा, बेवस्था केर विचौलिया
आय, ताहि ते उइ मिरतू ते जउन पहिले वाचा केर
समय केर अपराधन ते छुटकारा पाए के लिए भवा
है। बुलाए भए लोग परतिग्या केर मुताबिक हमेसा–
हमेसा केर मीरास का पाए लें।

16 काहे ते जिहां वाचा बांधा गवा है उहां अदह बांधे वाले केर मिरतयु का समझा लेव का जरूरी है। 17 काहे ते अइस वाचा मरै पै जारी होत है, अउर अब तलक वाचा बांधे वाला जिन्दा रहत है, तब तलक वाचा काम केर नाई होत। 18 यही लिए पहला वाचा भी बिन लोहू के नाहीं बांधा गवा। 19 काहे ते जब मूसा सब लोगन का नियम केर हर एक आग्या सुनाय चुकै तौ ऊ बछड़न अउर बकरन कै लोहू लइके, पानी अउर लाल ऊन अउर जूफा कै साथ लोगन पै छिरिक दिहिन। 20 अउर कहिन, कि ऊ वाचा केर लोहू है, जी की आग्या परमेसुर तुम्हार लिए दिहिस है। 21 अउर इहै रीति ते ऊ तम्बू अउर सेवा केर सारे सामान पै छिड़किन। 22 अउर नियम केर मुताबिक अकसर सब चीजैं लोहू के दुआरा सुद्ध कीन जात है, अउर बिन लोहू बहाए माफु नहीं होत।

23 यही खातिर जरूरी है कि सरग मा कै चीजन केर परछाई इनके दुआरा सुद्ध कीन जाएं, मुला सरग मा के चीजें आपै इनते उत्म बलिदान केर दुआरा। 24 काहे ते मसीह ऊ हाथन कै बनाई भई पवित्तर जगह मा जउन सांचै पवित्तर जगहा केर नमूना आय, परवेस नाहीं किहिन, मुला सरग मा ही परवेस कहिन ताहि ते हमार खातिर परमेसुर कै सामने दिखलाई परै। 25 ई नाहीं कि ऊ अपनै आपका बेर–बेर चढ़ाएं, जइसन कि महायाजक हर साल दूसर केर लोहू लिए भए पवित्तर जिगा मा दाखिल हुआ करत है। 26 नाहीं तौ जगत केर रचना ते लइकै उनका बेर–बेर दुख उठावै का पड़त मुला अब जुग केर अन्त मं ऊ एक बेर परगट भए हैं, ताहि ते अपनेऊ बलिदान कै दुआरा पाप का दूरि करि दैहैं। 27 अउर जइसन एक बेर मनई खातिर करैका अउर उकै बाद नियाम कै होय का नियुक्त है। 28 कइसनै मसीह बहुतन कै पापन का उठाय लेय का एकै बेर बलिदान भए अउर जउन लोग उनकेर राह ताकत हैं उनकेर उद्धार केर खातिर दूसरि बेर बिन पाप कै दिखलाई देहैं।

यीसु केर बलिदान सबन केर खातिर

10 काहे ते नियम जेहिमा आवै वाली अच्छी चीजन केर परछाई आय, मुला उनकेर असली सूरत नाहीं इह लिए उन एकै तिना केर बलिदानन कै दुआरा, जउन हर बरस अचूक चढ़ाए जात हैं, नियरे आए वालेन का कबहूं सिद्ध करि सकत। 2 नाहीं तौ उनकेर चढ़ावै का कन्द काहे नाहीं हुइ जइते? यही लिए कि जब सेवा करै वाले एकइ बेर सुद्ध हुइ जाते, तौ फिर उनकै मन उनका पापी नाहीं ठहरितै। 3 मुला उनकेर दुआरा हर साल पापन कै सुमिरन हुइन करत है। 4 काहे ते असम्भव आय, कि बैलन अउर बकरन केर लोहू पापन का दूर करै।

5 यही कारन ऊ जगत मा आवत बेर कहत हैं कि बलिदान अउर भेंट तुहिका नाहीं चाहीं, मुला हमार खातिर याक देहि तैयार कियो रहयं। 6 होम बलियन अउर पाप बलियन ते तुहै परसन्न नाहीं भये।

7 तब हम कहेन, देखि हम आय गयेन हन पवित्तर सास्त्र मा हमार बारे मा लिखा भवा है एहिते हे परमेसुर, तोर इच्छा पूरी करन।

8 अउर तौ ऊ कहत हैं, कि न तुहै बलिदान अउर भेंट अउर होम बलियन अउर पाप बलियन का चाहौ, अउर न ही उनते परसन्न भयो, जदपि ई बलिदान तौ नियम के मुताबिक चढ़ाए जात हैं। 9 फिर यहू कहत हैं, कि देखि, हम आए गए हन, ताहि ते तोर इच्छा पूरी करन, अन्तै ऊ पहिले का उठाय देत हैं, ताहिते दूसरि का स्थापित करें। 10 वहै इच्छा ते हम यीसु मसीह केर देहि के एकै बेर बलिदान चढ़ाए जाये कै दुआरा पवित्तर किए जाए हन।

11 अउर हर एक याजक तौ ठाढ़ उइकै हर दिन सेवा करत हैं अउर एकै परकार कै बलिदान का जउन पापन का कबहूं दूर नाहीं करि सकत बेर–बेर चढ़ावत है। 12 मुला ई मनई तौ पापन के बदले मा एकै बलिदान हमेसा केर खातिर चढ़ाइके परमेसुर के दहिने जाय बइठा। 13 अउर उहै समय ते ई बाट जोहे रहा है कि ऊ के पावन के नीचे केर पीढ़ी बनै। 14 काहे ते ऊ एकै चढ़ावै के दुआरा उनका जउन पवित्तर कीन्ह जात है, हमेसा केर खातिर सिद्ध करि दिए हैं।

15 अउर पवित्तर आतमउ हमका इहै गवाही देत हैं, काहे ते उइ पहिलेन कहन रहय।

16 कि परभु कहत हैं, जउन वाचा हम उन दिनन कै बाद उनते बंधिबे उइ आय कि हम आपन नियमन का उन केर हिरदय पे लिखब अउर हम उनकेर मन मा डलिबै।

17 (फिर ऊ कहत हैं कि) हम उन केर पापन का, अउर उनकेर अधरम केर कामन का फिर कबहूं सुमिरन नाहीं करब।

18 अउर जब इन केर माफु हुइ गइ है, तौ फिर पाप केर बलिदान नाहीं रहा।

बचावै वाले केर बुलावा

19 तउन हे भाइयों, जब कि हमका यीसु केर लोहू कै दुआरा ऊ नवे अउर जीवित मारग ते पवित्तर

जगह मा दाखिल होय कै हियाब हुइ गवा है। 20जउन उइ परदे अरथात् आपन देहि मा ते हुइके हमार खातिर अभिसेक किहिन है। 21अउर यहि लिए कि हमार अइसन महान याजक हैं, जउन परमेसुर के घर के अधिकारी है। 22तो आओ, हम सच्चे मन, अउर पूरे विसवास कै साथ, अउर मन केर दोस दूर करै के खातिर हिरदय पे छिरकाव लइके,अउर देहिं का सुद्ध जलते धुलवाय कै परमेसुर केर नियरे जाई। 23अउर आपन आसा कै मानै का मजबूती ते थामें रही, काहे ते जउन परतिग्या किहिस है ऊ सांचा आय। 24अउर पिरेम अउर भल कामन मा उभारे के लिए एक दूसर केर फिकर कीन्ह करै। 25अउर एक दूसरे के साथ यकट्ठा होय का नाहीं छोड़े, जइसन कि कितने उनकेर रीति है मुला एक दूसर का समुझात रहै, अउर जेस–जेस उइ दिन का नियरे आत दिखायौ, तउने–तउने अउरो जियादा इहै कीन्ह करौ।

26काहे ते सच्चाई केर पहिचान पाय कै बाद यहि हम जलबुझि कै पाप करत रही, तौ पापन केर खातिर फिर कउनो बलिदान बाकी नाहीं। 27हां सजा केर एक भयानक बाट जोहै का अउर आग कै ज्वाला बाकी आय, जउन विरोधियन का भसम करि देई। 28जबकि मूसा केर नियम न मानैवाले दुइ या तीन जनन केर गवाही पै, बिन दया कै मारि डारा जात है। 29तौ सोचि लिहौ कि ऊ अउरो भारी दंड केर जोग ठहरी, जउन परमेसुर केर बेटवा का पांवन ते रौंदिस, अउर वाचा कै लोहू का जी के दुआरा ऊ पवित्तर ठहिरावा गवा रहय, अपवित्तर जानिस, अउर दया केर आतमा कै अपमान किहिस। 30काहि ते हम ऊका जानत हन, जउन कहिस कि बदला लेय का हमार काम है, हमहीं फल देब। अउर फिर ई कि परभु आपन लोगन के निभाय करिहैं। 31जेहिते परमेसुर केर हाथन मा पड़े का भयानक बात है।

32मुला उन पहिले दिनन का सुमिरन करौ, जिनमा तुम जोति पाइके दुखन केर बड़े झमेलन मा जमै रहौ। 33कुछ तौ ई कि तुम निन्दा, अउर कलेस सहत भए तमासा बनै रहौ, अउर कहु ई कि तुम उनकै साझी भए जिनकै दुरदसा कीन जात रहा। 34काहे ते तुम बन्दियन कै दुख मा भी दुखी भए, अउर अपन सम्पतिउ खुसी ते लुटै दिहौ, यहि जानिकै कि तुहार लगे एक अउरो उत्तम अउर सदा ठहिरे वाली सम्पतिउ खुसी ते लुटै दिहौ, यहि जानिकै कि तुहार लगे एक अउरो उत्तम अउर सदा ठहिरे वाली सम्पत्ति है।

35सो ई आपन हियाब नाहीं छोड़ो काहे ते ऊ केर परतीफल बड़ा आय। 36काहे ते तुमका धीरज धरै का जरूरी है ताहि ते परमेसुर केर इच्छा का पूर कइके तुम परतिग्या केर फल पावो। 37काहे ते अब बहुतै थोर समय रहि गवा है जबकि आवै वाला अइहैं अउर अबेर नाहीं करिहैं।

38अउर हमार धरमी जन विस्वासु तैनि जियत रही, अउर यहि ऊ पीछे हटी तौ हमार मन ऊते परसन्न नाहीं होई। 39मुला हम हटै वालै नाहीं, कि नास हुइ जायं मुला बिसवासु करै वाले हन कि परानन का बचावें।

विसवासु केर दुआरा

11 अब विसवासु आसा कीन भई चीजन केर निस्चय, अउर अनदेखी चीजन कै परमान है। 2काहे ते यहि कै बारे मा पुरखन केर अच्छी गवाही दीन गई है।

3विस्वासै ते हम जान जाइत है कि सकल जगत केर रचना परमेसुर के वचन के दुआरा भयी है। ई नाहीं कि जउन कछु देखे मा आवत है ऊ देखी भई चीजन ते बना हो। 4विसुवासे ते (परमेसुर ते बनाए भए दुनिया के पहले मनई केर बेटवन केर नाम) ''हाविल अउर कैन'' ते उत्तम बलिदान परमेसुर कै खातिर चढ़ाइस रहै अउर वहै ते ऊके धरमी होय केर गवाही कीन्ह गई, काहे ते परमेसुर उनकी भेंटन केर बारे मा गवाही दिहिस अउर वहिते ऊ मरै पर भी अबहूं तलक बचै करत है।

5विसवास ते 'हनोक' (एक विसवासी मनई) उठाय लिया गवा कि मउत का नाही चीखे अउर ऊका पता नाहीं मिला काहे ते परमेसुर ऊका उठाय लिहिस रहा, अउर ऊ के उठाय जाय ते पहिले ऊकी गवाही दीन्ह गई रहय कि ऊ परमेसुर का परसन्न किहिस है। 6अउर विसवासु बिन ऊका परसन्न करै का नामुमकिन आय, काहे ते परमेसुर केर नियरे आये वाले का विसवास करै का चाही, कि उइहैं, अउर आपन खोजे वाले का बदला देत है।

7विसवासै ते 'नूह' उन बातन कै बारे मा जउन ऊ समय दिखाई नाहीं परत रही चितौनी पाइके भक्ति कै साथ आपन घराने केर बचाव खातिर बनाइस, अउर ऊ ते ऊ संसार का दोसी ठहराइस अउर उइ धरम कै वासिन भवा जउन बिसवासु ते होत है।

8विसवासै ते अबराम जब बुलावा गवा तौ आग्या मानिकै अइसन जगह निकलि गवा जी का भरोसा लेय वाला रहय, अउर ई नाहीं जानत रहय कि हम किधर जात हन, तउ निकल गवा। 9बिसवासै ते ऊ परतिग्या केर वारिस रहयं कुटुम्बुन (परिवार मा) बास

किहिन। 10काहे ते ऊ जमी रहय वाली मजबूत नीव वाले नगर केर बाट जोहत रहय, जी का रचै वाला अउर बनावै वाला परमेसुर आय।

11विसवासु ते सारा आप बूढ़ी हाय पै भी गरभ धारन करै केर सामरथ पाइस, काहे ते ऊ परतिग्या करै वाले क सांचै जानि रहय। 12यही कारन एकइ जन ते जउन भरा भवा सेन रहय, आकास के तारन अउर समुन्दरन केर तीर कै बालू कै तिना बेसुमार बंस पइदा भवा।

13इहै सब विसवासै केर दसा मा करे, अउर उइ परतिग्या कीन भई चीजें नाहीं पाइन, मुला उनका दूरि ते देखिकै मगन भये अउर मान लिहिन, हम धरती पै परदेसी अउर परवासी हन। 14जउन अइस—अइस बातें कहत है, उइ परगट करत है, कि आपन देस कै तलास मा है। 15अउर जउन देस ते उइ निकल आए रहे, अगर ऊ की सुधि करत तौ उनका लउट जाय का मौका रहय। 16मुला उइ एक उत्तम अरथात् सरगीय देस केर इच्छुक हैं एहि खातिर परभु उन केर परमेसुर कहलाए मा उनते नाहीं लजात, ऊ उनके खातिर एक नगर तैयार किहिस है।

17विसवासे ते अबराम परखे जाय के समय मा इसहाक का बलिदान चढ़ाइन अउर जउन परतिसावन का सांधै मानिस रहय। 18अउर जी ते यू कहा गवा रहिस कि इसहाक ते तोर बंस कहिलइहैं ऊ अपन इक्लौते का चढ़ावे लगा।

19काहे ते ऊ विचार किहिस, कि परमेसुर सामरथी आय, कि मरे हुअन मा ते जिलाए, सुइ उनहिन मा ते मिसाल केर रीत परिहां ऊ फिर मिला।

20विसवासै ते इसहाक, याकूब अउर एसाब का आवै वाली बातन कै बारे मा असीस दिहिस।

21विसवासे ते याकूब मरत बेर यूसुफ केर दूनौ बेटवन मा ते एक—एक का असीस दिहिस, अउर आपन लाठी केर सिरे पै सहारा लइके झुकिकै अदब ते सलाम किहिस।

22विसवासे ते यूसुफ, जब ऊ परे पर रहा, तौ इसरायलियन केर अउलादन कै निकस जाए केर चरचा किहिस, अउर आपन हड्डिन कै बारे मा हुकुम दिहिस।

23बिसवासे ते मूसा केर महतारी—बाप ऊका जनम होय के बाद तीन महीना तलक छिपाए रक्खिन, काहे ते उइ देखिन, कि बालक समुन्दर आय, अउर उइ राजा केर हुकुम ते नाहीं डरे।

24विसवासे ते मूसा समान हुइकै फिराउन केर बिटिया कै बेटवा कहलाए ते इनकार किहिस। 25इहि खातिर ऊका पाप मा थोरे दिनन के सुख भोगे ते परमेसुर केर लोगन कै साथ दुख भोगे का अउर उत्तम लगा। 26अउर मसीह केर कारन अपमानित होय का मिसर कै भंडार ते बड़ा धन समुझिस, काहे ते ऊकी आंखे फल पावे की ओर लगी रहयं। 27बिसवासे ते राजा कै गुस्से ते न डरिकै ऊ मिसर का छोड़ दिहिस, काहे ते ऊ अनदेखे का मानौ देखत भवा जमा रहा। 28बिसवासे ते ऊ फसह अउर लोहू छिरके केर विधि मानिस, कि पहिलउठन केर नास करै वाला इसराइलियन पै हाथ न डारै।

29विसवासे ते उइ लाल समुन्दर केर पार अइसन उतरि गए, जइसे सूखी जमीन पै ते, अउर जब मिसरियन वइसनै करे का चाहिन, तउ सब डूबि मरे।

30विसवासे ते पूर होइके चहरदिवारी जब सात दिनन तलक ऊ का चक्कर लगाय चुकै तै ऊ गिरि परी।

31विसवासै ते राहाब बेसिया आग्या न मानै वालन केर साथ नासु नाहीं भई, यही लिए कि ऊ जासूसन का कुसल ते राखिन रहय।

32अउर अब का कहीं? काहे ते समय नाहीं रहि गवा है, कि गिदोन केर अउर बाराक अउर समसून केर अउर यिफतह केर, अउर दाऊद, अउर समुएल केर, अउर भबिसदूतन केर जिकरा करीं। 33ई बिसवासे केर दुआरा राज जीतिन रहय, धरम केर काम कहिन, परतिग्या की भई चीजन का पाइन, बाघन कै मुंह बन्द कइ दिहिन। 34आगि केर ज्वाला का ठंडा किहिन तरवारि केर धारि ते बचि निकसे, कमजोरी मा ताकतवर भए, लड़ाई मा वीर निकसे, विदेसिन केर फउजन का मारि भगाइन। 35अउरतैं आपन मरे हुएन का फिरि जिन्दा पाइन, कितने तौ मारि खावत—खात मरि गए। अउर छुटकारा नाहीं चाहिन, एहि लिए कि फिर ते बढ़िया तिना जी उठै केर भागी होंय। 36कउनउ एक ठठन मे उड़ाय जावै केर, अउर कोड़े खावे केर, बरन बांधे जावै केर, अउर कैद मा पड़ै केर दुआरा परिखे गए। 37पथराव कीन गये, आरा ते चीरे गये, उन्ह केर परीछा कीन्ह गई तरवारि ते मारे गये, उइ कंगाली मा अउर तकलीफ मा अउर दुख भोगत भए भेड़न अउर बकरिन केर खालें ओढ़े भए इधर—उधर मारे—मारे फिरिन। 38अउर जंगलन, अउर पहारुन, गुफवन मा, अउर जमीन केर दरारन मा भटकत फिरै।

39संसार उनके जोग नहीं रहय, अउर बिसवासै केर दुआरा इन सबकै बारे मा अच्छी गवाही दीन गई तौ उनका परितिग्या की हुई बस्तुएं नाहीं मिली।

[40]काहे ते परमेसुर हमार खातिर पहिल ते एक उत्तम बात ठहराइसि कि उइ हमार बिना सिद्धता का नाहीं पहुंचे।

परमेसुर अपन बेटवन केर अनुसासित करत है

12 ई कारन जब कि गवाहन का अइसन बड़ा बादल हम का घेरे भए हैं तौ आओ, हर एक रोकै वाली चीज, अउर फंसायवाले पाप का दूर करिकै, ऊ दउड़ जीमा हमका दउड़े का है, धीरज ते दौड़ी। [2]अउर बिसवास केर करता अउर सिद्ध करै वाले यीसु केर ओर ताकत रही, जउन उइ खुसी केर खातिर जउन ऊके आगे धरा रहय, सरम केर कउनौ चिन्ता नाहीं करिकै, क्रूस केर दुख सहिन, अउर सिंहासन पै परमेसुर केर दहिने जाय बइठे। [3]ई लिए उन पै धियान करौ, जउन आपन विरोध मा पापियन केर ऊ तिना बाद–विवाद सहि लिहिन कि तुम निरास हुइके हियाव न छांड़ि देयो।

[4]तुम पाप ते तड़त भये उनते अइसन मुठभेड़ नाहीं किहौ, कि तुम्हार लोहू बहा होय। [5]अउर ऊ तुम उपदेसु का जउन तुमका बेटवन केर नाई दीन्ह जात है, भूलि गए हौ कि हे हमार बेटवा, परभु केर पिटाई का हलकी बात नाहीं जान, अउर जब उइ तुहिका घुड़िकै तो हियाब नाहीं छांड़ि। [6]काहे ते परभु जी ते पिरेम करत है, ऊ की ताड़ना ऊ करत हैं, अउर जी का बेटवा बनाय लेत है, ऊ का कोड़ेउ लगावत है।

[7]तुम दुख का ताड़ना समझि केर सहिलेयो, परमेसुर तुमका बेटवा जानिके तुहार साथ बरताव करत है, ऊ कउन सेर बेटवा आय, जी की ताड़ना बाप नहीं करत। [8]अउर उइ ताड़ना जी केर भागी सब होत हैं, तुम्हार नाहीं भयी, तौ तुम बेटवा नाहीं मुला विभचारि केर सन्तान ठहरी। [9]फिर जब कि हमार देह केर बाप भी हमार ताड़ना कीन करत रहै, तौ का रुहन केर बाप केर अउरौ अधीन नाहीं रही जी ते जिन्दा रही। [10]उइ तौ अपन समुझि केर मुताबिक थोरे दिनन केर खातिर ताड़ना करत रहै मुला यू तौ हमार लाभ केर खातिर करत है, कि हमहूं ऊ की पवित्तरता केर भागी हुइ जायं। [11]अउर आज केर हर परकार केर ताड़ना खुसी केर नाहीं, मुला सोकै केर बात दिखलाई परति है, तउ जउन ऊ का सहत–सहत पक्के हुइ गए हैं पाछे उनका चैन केर साथ धरम केर बदला मिलत है।

[12]यहि खातिर ढीले हाथन अउर घुटनन का सीधा करौ। [13]अउर आपन पांवन केर लिए सीधे मारग बनाओ, कि लंगड़ा भटकि न जाय पर भला चंगा हो जाय।

चेतावनी परमेसुर केर तिरस्कार कय खातिर

[14]सब ते मेल मिलाप रक्खै कै, अउर ऊ पवित्तरता केर खोजी हो जीके बिना कउनौ परभु का कबहूं नाहीं देखिहैं। [15]अउर धियान ते देखत रहो, अइसन न होय कि कउनौ परमेसुर केर किरपा ते अलग रही जाए, या कउनौ कड़ु जड़ फूटिके कस्ट देय, अउर ऊके दुआरा बहुतन लोगि असुद्ध हुइ जाएं। [16]अइसन न होय कि कउनौ जन बुरा आचरन करै वाला, एसाव केर तिना अधरमी होय, जउन एक बेर केर भोजन केर बदले आपन पहिल उठे होय, केर पद बेचि डारिन। [17]तुम जानत तौ हो कि बाद का जब उइ असीस पावै का चाहिन, तौ नाकाबिल गिने गए रहे, अउर आँसू बहाय बहाय केर खोजे पर ऊ मन फिरावै केर अउसर उनका नाहीं मिला।

[18]तुम तौ ऊ पहारु केर नियरे जउन छुवा जा सकत रहय अउर आगि ते जलत रहय, अउर कारी घटा, अउर अंधेरा, अउर आंधी केर पास। [19]अउर तुरही केर आवाज अउर बोले वाले केर अइसन सबद केर नियरे नाहि आइन जी केर सुनै वाली विनती किहिन, कि अब हमते अउर बातें न कीन्ह जाय। [20]काहे ते उइ आग्या का नाहीं सहि सकिन, अगर कउनउ जानवर भी पहारु का हुए, तौ पथरन ते मारा जाय। [21]अउर ऊ दरसन अइसन डरावना रहय, कि मूसा कहिन हम बहुत डेरात अउर कांपन हन।

[22]मुला तुम सियोन केर पहाड़ि केर नियरे, अउर जिन्दा परमेसुर नगर सरगीय यरुसलेम केर पास। [23]अउर लाखों सरगदूतन अउर उइ पहिलउठन केर आम सभा अउर कलीसिया जिनके नाम सरग मा लिखे भई हैं, अउर सबके नियायी परमेसुर केर पासु अउर सिद्ध किए भए धरमियन केर आतमावन। [24]अउर नवें वाचा केर विचउलिए यीसु अउर छिड़काव केर ऊ लोहू केर नियरे आए हौ, जउन हाबील केर लोहू ते जबाबु बातैं कहत है।

[25]हुसियार रहौ, अउर ऊ कहै वाले ते मुंह नाहीं फिरौ काहे ते उइ लोग जब पृथ्वी पै कै चेतावनी देय वालै ते मुंह मोड़ि केर नाहीं बचि सकिन तौ हम सरग पै ते चितउनी करै वाले ते मुंह मोड़ि केर काहे केर बचि सकब। [26]उइ बेरिया तौ ऊ केर सबद धरती का हिलाये दिहिस, मुला अब उइ यू परतिग्या किहन है, कि एक बेर फिर हम धरती केवल जमीन का नाहीं, वरन उकसाउ का हिाय देव। [27]अउर ऊ जुमिला (वाक्य) एक बेर फिर ई बात का परगट करत है कि जउन चीजें हिलाई जात है, उइ सिरजी भई चीजें होवै केर कारन टलि जइहैं, ताकि ते जउन चीजें

हिलाई नाहीं जाति, उइ अटलैं बनी रहें।

28इह कारन हम ई राज का पायेक जउन हिलै का नाहीं ऊ किरपा केर हाथ ते नाहीं जाय देई, जीके दुआरा हम भक्ती, अउर भय सहित, परमेसुर केर अइसी आराधना कइ सकत हन जी ते उइ परसन्न होत है। 29काहे ते हमार परमेसुर भसम करै वाली आगि आए।

अंतिम सलाह

13 भाई—भाई केर पियार बना रहै। 2पहुनई करै का न भूल्यो, काहे ते ई ते कितने अनजाने सरग दूतन केर पहुनई किहिन है, 3कइदियन केर अइसी सुधि लेव कि मानौ उनके साथ तुमहउ कइव हौ, जिन केर साथ बुरा बरताव कीन्ह जात है, उनकेर भी यू समझि केर सुध लीन करौ, कि हम रेउ देहि आय।

4बियाह सब मा आदर केर बाद समझी जाए अउर बिछउना बेदाग राहे, काहे ते परमेसुर बेभिचारिन करै वालन अउर परानी अउरतन केर पीछे दउड़े वालेन केर नियायु करिहैं। 5तुम्हार सुभाव बिन लालच केर होय, अउर जउन तुम्हार पास है, उहि पै संतोस करौ, काहे ते उइ आपै कहिन है, हम तुइका नाहीं छोड़ब अउर ना ही तुमका कबहूं छांड़ब। 6ई लिए हम बेधड़क हुइकै कहत हन, कि परभु हमार सहायक आय, हम नाहीं डरिबैं मनई हमार का करी सकत है।

7जउन तुहार अगए रहयं अउर जउन तुमका परमेसुर केर वचन सुनाइनि हयं, उनका सुमिरन राखौ, अउर धियान ते उन केर विसवास केर अनुकरन करौ। 8यीसु मसीह कल अउर आज अउर आज जुग—जुग तलक एकसन है।

9तिना—तिना केर अउर ऊपरी उपदेसन ते नाहीं भरमाए जाओ, काहे ते मन केर किरपा तेर मजबूत रहय का भला आय, नाहीं कि उइ खाय वाली चीजन ते लीन ते काम रखै वालन का कछु लाभ नाहीं भवा। 10हमार एक अइसन बेदी आय जी ते खावै केर अधिकार उइ लोगन का नाई जउन तम्बू केर सेवा करत है।

11काहे ते जउन जानवरन केर लोहू महायाजक पाप बलि केर खातिर पवित्तर जगह मा लै जात है उनकै देह छावनी केर बाहर जलाई जात है। 12इहै कारन यीसु अउर लोगन का अपने लोहू केर दुआरा पवित्तर करै केर खातिर फाटक केर बाहर दुख उठाइन। 13सोइ जाओ, उनकेर अपमान आपन ऊपर लिय भेय डेरा केर बाहर उन केर पास निकल चली। 14काहे ते इहां हमार कउनौ मुस्तकिल नगर नाहीं मुला हम एक आए वालै नगर केर खोज मा हन।

15ई लिए हम उनकै दुआरा ऊकै बड़ाई रूपी बलिदान अरथात् उन होंठन केर फल जउन उनकै नाम का कबूल करत है, परमेसुर केर खातिर हमेसा चढ़ावा करी। 16मुला भलाई करै का, अउर देय का नाई भूल्यो, काहे ते परमेसुर अइसन बलिदानन ते परसन्न होत हैं। 17आपन अगअन का मानौं, अउर उनकै अधीन रहौ। काहे ते उन केर नाई तुहार परानन केर खातिर जागत रहत, जिनका हिसाब देय का परी, कि उइ यू काम आनन्द ते करैं, यू नाहीं कि मजदूरी लइकै काहे ते ई दाा मा तुमका कछु फायदा नाहीं।

18हमार खातिर पराथना करत रहौ, काहे ते हम का भरोसा आय, कि हमार मन सुद्ध है, अउर हम सब बातन मा अच्छी चाल चलकै चाहत हन। 19अउर ई करै केर खातिर हम तुमका अउरउ समुझात है, कि हम जल्दी तुम्हार पास फिर आइ सकीं

20अब सान्ती देय वाला परमेसुर जउन हमार परभु यीसु का जउन भेड़न केर महान रखवारे आयं सनातन वाचा केर लोहू केर गुनन ते मरे हुअन मा ते जिलाय केर लये आवा। 21तुम का हर एक भली बात मा सिद्ध करै, जी ते तुम ऊ केर इच्छा पूर करौ, अउर जउन कछु का बात है ऊ का यीसु मसीह केर दुआरा हममा पइदा करै जी केर बड़ाई जुग—जुग तलक होत रहे। आमीन।

22हे भाइयों, हम तुमते विनती करति है, कि ई उपदेस केर बातन का सहिलेयों, काहे ते हम तुमका बहुत कम मा लिखे हन।

23तुम यू जानि लियो कि तिमुथियसुस हमार भाई छूटि गवा है अउर अगर ऊ जल्दी आए गवा, तो हम ऊ केर साथ तुम ते भेंटि करिबै।

24आपन सब अगुअन अउर सब सब पवित्तर लोगन का नमस्कार कहौ, इतालिया वालै तुमका नमस्कार कहत है।

25तुम सब पै अनुगरह होत रहै। आमीन।